जहां तक गैर-लघु क्षेत्र में रुग्ण औद्योगिक एककों का संबंध है, राज्य सरकार को केन्द्र सरकार कोई वित्तीय सहायता नहीं देती। सीमांत धनराशि योजना के अधीन, केन्द्र सरकार लघु क्षेत्र में रुग्ण एककों के पुनरुज्जीवन के लिए राज्य सरकारों को धनराशि देती है। 31-3-1992 की स्थिति के अनुसार सीमांत धनराशि योजना के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा मध्य प्रदेश सरकार को कुल 5 लाख रु० की राशि मंजूर की गई थी।

(घ) ऐसे आंकड़े केन्द्र द्वारा नहीं रखे जाते।

गुजरात में बंद पड़े उद्योग

1705. **श्री रामसिंह राठवा :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में इस समय बंद पड़े बड़े, मझोले और लघु उद्योगों का उनकी अवस्थिति सहित ब्यौरा क्या है,

(ख) उक्त उद्योगों में विभिन्न वित्तीय संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा किए गए पूंजी निवेश का ब्यौरा क्या है, और

(ग) इन्हें पुनर्जीवित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) और (ख) देश में बैंकों से सहायता प्राप्त रुग्ण औद्योगिक एककों के संबंध में आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एकत्र किए जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार गुजरात राज्य में मार्च 1991 के अंत तक गैर-लघु क्षेत्र में 112 रुग्ण/कमजोर औद्योगिक एककों के बन्द होने की सूचना थी। जिनमें 296.30 करोड़ रुपए के बैंक ऋण अन्तर्गस्त हैं।

बैंकों में प्रचलित प्रथा तथा व्यवहार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को शासित करने वाले कानूनों के अनुसार अलग-अलग ब्यौरे जैसे बैंकों के संघटक एककों के स्थापना स्थल आदि, प्रकट नहीं किए जाते।

(ग) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मार्च 1991 के अन्त तक गुजरात राज्य के 39 बन्द रुग्ण/कमजोर गैर-लघु उद्योग एकक औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी० आई० एफ० आर०) को भेजे गए थे। इनमें से बी० आई० एफ० आर० द्वारा तीन मामलों के लिए पुनर्वास योजनाएं स्वीकृत की गई और 18 मामलों को समाप्त करने की सिफारिश की गई।

श्रम साध्य प्रौद्योगिकियां

1706. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार श्रम साध्य प्रौद्योगिकियों की उपेक्षा करती रही है,

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (क) का उत्तर "ना" हो तो बेरोजगारों को यथाशीघ्र रोजगार उपलब्ध कराने के लिए श्रम साध्य प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० जे० कुरियन) : (क) से (ग) सरकार ने लघु उद्योगों, खादी तथा ग्रामोद्योगों, जो श्रमिक गहन हैं, के विकास के लिए विभिन्न उपाय किए हैं : खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग तथा अन्य विभिन्न संगठन, जिनमें सी० एस० आई० आर० प्रयोगशालाएं शामिल हैं, विद्यमान श्रमिक गहन तकनीकों का स्तर बढ़ाने तथा उनमें सुधार करने के कार्य में लगे हैं।